रजिस्ट्री सं. डी.एल.-33004/92 REGD. No. D.L.-33004/92

भारत का राजपत्र
The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग I—खण्ड 1
PART I—Section 1

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 31] नई दिल्ली, बुधवार, फरवरी 17, 1993/माघ 28, 1914
No. 31] NEW DELHI, WEDNESDAY, FEBRUARY 17, 1993/MAGHA 28, 1914

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके
Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation

वाणिज्य मंत्रालय

अधिसूचना

नई दिल्ली, 17 फरवरी, 1993

विषय :— कोरिया गणराज्य और जापान से स्टाइरीन बूटाडीन रबड़ के आयात के संबंध में एंटी डंपिंग जांच।

सं 14/10/92 – टी पी डी. :— भारत सरकार ने 1982 में यथा-संशोधित सीमाशुल्क टैरिफ अधिनियम, 1975 और सीमाशुल्क टैरिफ (अभिज्ञान, आकलन और डम्प मदों पर शुल्क अथवा अतिरिक्त शुल्क का संग्रहण और नुकसान का निर्धारण) नियमावली, 1985 को ध्यान में रखते हुए और प्रशासनिक मंत्रालय, नामतः उर्वरक एवं रसायन मंत्रालय, रसायन तथा पेट्रो-रसायन विभाग के परामर्श से,

जबकि 1982 में यथासंशोधित सीमाशुल्क टैरिफ अधिनियम, 1975 के तहत नामनिर्दिष्ट प्राधिकारी को मैसर्स सिंथेटिक एंड कैमिकल्स लि. से उनके दिनांक 3 अप्रैल, 1992 तथा 13 जुलाई, 1992 के पत्रों के साथ पठित उनके 21 फरवरी, 1993 के पत्र द्वारा लिखित शिकायत प्राप्त हुई, जिनका स्टाइरीन बूटाडीन रबड़ (एस. बी. आर.) के घरेलू उत्पादन में 90% से अधिक योगदान रहा था। उसमें यह बताया गया था कि वह संदर्भाधीन उत्पाद के भारतीय उत्पादन का एक प्रमुख हिस्सा है। इस शिकायत में कोरिया गणराज्य और जापान में उत्पन्न होने वाले उत्पाद की डंपिंग का प्रथम दृष्टि से साक्ष्य उपलब्ध है।

नामनिर्दिष्ट प्राधिकारी ने तदनुसार भारत के राजपत्र में दिनांक 12 अगस्त, 1992 को एक सार्वजनिक सूचना के द्वारा एच. एस. सीमा शुल्क शीर्ष सं. 40021901, 40021902, 40021909 और 40021100 के तहत आने वाले कोरिया गणराज्य तथा जापानी मूल के स्टाइरिन बूटाडीन रबड़ के भारत में आयात से संबंधित एंटी डंपिंग की कार्यवाही आरम्भ करने की घोषणा कर दी है।

नामनिर्दिष्ट प्राधिकारी ने शिकायतकर्ता निर्यातकों तथा निर्यातक देशों के प्रतिनिधियों को औपचारिक रूप से सलाह दी और प्रत्यक्ष रूप से संबंधित पार्टियों को अपने अपने विचार लिखित रूप में प्रस्तुत करने और सुनवाई हेतु अनुरोध करने का अवसर दिया।

शिकायतकर्ता ने कहा कि उन्हें प्रमुख क्रेताओं को बहुत अधिक छूट देने के लिए विवश किया गया और यहां तक कि इतनी बड़ी छूट के बावजूद उनकी बिक्रियों में बहुत कमी आई।

विदेशी निर्यातक कंपनियां नामतः जापान सिंथेटिक रबड़ कंपनी लि., टोक्यो, मितसुई और कंपनी, कोरिया कुम्हो पेट्रो कैमिकल्स कंपनी लि., सिओल, को उनके साथ किए गए पत्र व्यवहार के संदर्भ में अपनी टिप्पणियां भेजी हैं।

जांच की अवधि में 1 जनवरी से 31 जुलाई, 1992 तक के आयात मिल हैं। एंटी-डंपिंग जांच के लिए डंपिंग की जांच घरेलू उद्योग की ति और दोनों के बीच कारण संबंधी संयोजन की जांच की आवश्यकता । घरेलू उद्योग द्वारा प्रस्तुत की गई और विदेशी निर्यातकों से प्राप्त ानकारी का विश्लेषण किया गया है।

वर्ष 1988-89 से 1990-91 (अप्रैल – मार्च) के दौरान मैसर्स तथेटिक एंड कैमिकल्स लि. को संस्थापित क्षमता केवल 33,000 मी. न प्रति वर्ष थी। वर्ष 1991-92 के दौरान यह बताया गया कि संस्थापित क्षमता बढ़कर 41,000 मी. टन तक पहुंच गई है। वर्ष 1991-92 ं लिए कंपनी की वार्षिक रिपोर्ट में बताया गया है कि 70,000 मी. न तक एस. बी. आर. विस्तार के कार्यान्वयन के प्रथम चरण का कार्य गति पर है। अवस्थापना स्थल पर सिविल कार्य चल रहा है। सभी महत्वपूर्ण आयातित और देशीय संयंत्रों और मशीनरी के लिए आर्डर दे दिया या है। कुछ आयातित मशीनरी स्थल पर पहुंचनी शुरू हो गई है। संयंत्र की स्थापना अक्तूबर, 1992 में शुरू हो जाने की आशा है और रियोजना के 1993 के उत्तरार्द्ध में शुरू होने की योजना है। रिपोर्ट से यह स्पष्ट नहीं है कि 1991-92 में संस्थापित क्षमता में 41,000 मी. टन की वृद्धि कब हुई।

संस्थापित क्षमता की प्रतिशतता के रूप में कम्पनी की क्षमता का उपयोग वर्ष 1988-89 में 108%, 1989-90 में 105% और 1990-91 में 116% था। वर्ष 1991-92 के दौरान क्षमता का उपयोग पूर्ण वर्ष को 41,000 मी टन की संस्थापित क्षमता का 88% तक था दूसरी ओर 33,000 मी. टन की संस्थापित क्षमता का क्षमता उपयो 109% हो बैठता है।

वर्ष 1988-89 से 1991-92 के दौरान आयात का स्वरूप निम्नानुसार रहा है :—

वर्ष	आयात मी. टन में
1988-89	3,104
1989-90	4,893
1990-91	6,320
1991-92	3,183

वर्ष 1988-89 और 1989-90 के दौरान देश में एस. बी. आर. की खपत लगभग 39,000 मी. टन और 1990-91 तथा 1991-92 के दौरान लगभग 45,000 मी. टन थी, इस प्रकार 1990-92 में 1988-90 की तुलना में लगभग 15% की वृद्धि हुई।

मैसर्स सिंथेटिक एंड कैमीकल्स लि. की बिक्री से प्राप्ति में वर्ष 1989-90 में 32,604 मी. टन से 1990-91 में 39,010 मी. टन तथा 1991-92 में 49,865 मी टन तक वृद्धि हुई। इन तीन वर्षों दौरान घरेलू उद्योग द्वारा बेची गई मात्रा क्रमशः 36,309 मी. टन, 37,672 मी. टन और 35,320 मी. टन थी। मैसर्स सिंथेटिक एंड कैमिकल्स लि. का स्टाइरिन बूटाडीन रबड़ का 99% तक का कुल कारोबार हुआ था। एस. बी. आर. के कुल कारोबार में 1989-90 में 140 करोड़ रु., 1990-91 में 174 करोड़ रु. और 1991-92 में 200 करोड़ रु. तक वृद्धि हुई।

1989-90, 1990-91 तथा 1991-92 के वित्तीय वर्षों के अंत में मैसर्स सिंथेटिक एंड कैमिकल्स लि. के साथ एस. बी. आर. का अंतिम स्टाक क्रमशः 9 दिन, 12 दिन तथा 20 दिनों के इसके उत्पादन के समतुल्य था जोकि उपयुक्त सीमाओं के भीतर था।

मैसर्स सिंथेटिक एंड कैमिकल्स लि. के वित्तीय परिणामों में कर-पूर्व लाभों में वर्ष 1990-91 में 6.75 करोड़ रु. से 1991-92 के दौरान 12.52 करोड़ रु. तक की वृद्धि हुई और कर पश्चात लाभ में उसी अवधि में 5.47 करोड़ रु. से 10.22 करोड़ रु. तक की वृद्धि हुई।

निष्कर्ष

घरेलू उद्योग और अन्य इच्छुक पार्टियों द्वारा उपलब्ध कराई गई सूचना को ध्यान में रखते हुए नामनिर्दिष्ट प्राधिकारी इस निष्कर्ष पर पहुंचे हैं कि एस. बी. आर. के आयात से घरेलू उद्योग अर्थात मैसर्स सिंथेटिक एंड कैमिकल्स लि. को तो सामान संबंधी कोई हानि हुई है और न ही इससे कोई हानि होने का भय है। घरेलू उद्योग अपने बिक्री मूल्य में वृद्धि कर सकता है। यह संस्थापित क्षमता के विस्तार में लगा हुआ है क्योंकि विद्यमान संस्थापित क्षमता मांग से कम है और फलस्वरूप मांग और उपलब्धता के बीच के अन्तर को कम करने के लिए आयात करना आवश्यक है।

पूर्वोल्लिखित को ध्यान में रखते हुए, कोरिया गणराज्य और जापान से होने वाले एस. बी. आर. के आयात के संबंध में एंटी-डंपिंग जांच को समाप्त कर दिया गया है।

डा. जी. सुन्दरम, नामनिर्दिष्ट प्राधिकारी और अपर सचिव

MINISTRY OF COMMERCE

NOTIFICATION

New Delhi, the 17th February, 1993

Subject :—Anti-dumping investigation concerning import of Styrene Butadiene Rubber originating from the Republic of Korea and Japan.

No. 14/10/92-TPD.—The Government of India,

Having regard to the Customs Tariff Act, 1975 as amended in 1982 and the Customs Tariff (Identification, Assessment and Collection of Duty or Additional Duty on Dumped Articles and for Determination of Injury) Rules, 1985 after consultation with the administrative Ministry, namely, the Ministry of Chemicals and Fertilisers, Department of Chemicals and Petrochemicals,

Whereas

The Designated Authority under the Customs Tariff Act, 1975 as amended in 1982 received a written complaint from M/s. Synthetic & Chemicals Ltd., vide their letters dated 21st February, 1992 read with letters dated 3rd April, 1992 and 13th July, 1992, accounting for over 90 percent of the domestic production of Styrene Butadiene Rubber (SBR) and stated to constitute a major portion of India's production of the product in question. The complaint contained prima facie evidence of dumping of the product concerned originating in the Republic of Korea and Japan.

The Designated Authority accordingly announced by a public notice dated 12th August, 1992 in the Gazette of India the initiation of an anti-dumping proceeding concerning imports into India of Styrene Butadiene Rubber falling under H. S. Customs Heading No. 40021901, 40021902, 40021909 and 40021100 originating in the Republic of Korea and Japan.

The Designated Authority officially advised the exporters and the representatives of the exporting countries of the complaint and gave the parties directly concerned the opportunity to make their views known in writing and to request a hearing.

The complainant stated that they were forced to offer huge discounts to major buyers and even with this huge discounts their sales volume was dipping lower.

The foreign exporting concerns namely Japan Synthetic Rubber Company Ltd., Tokyo, Mitsui and Company, Korea Kumho Petro Chemicals Company Ltd., Seoul, Korea furnished comments in response to the communication addressed to them.

The period of investigation covered imports from 1st January to 31st July, 1992.

Anti-dumping investigation requires examination of dumping, injury to the domestic industry and a causal link between the two. The information submitted by the domestic industry and received from the foreign exporters has been analysed.

The installed capacity of M/s. Synthetic and Chemicals Ltd. during 1988-89 to 1990-91 (April-March) was 33,000 MT only per annum. During 1991-92, it has been stated that the installed capacity has gone up to 41,000 MT. The annual report of the company for the year 1991-92 states that "the first phase of implementation of SBR expansion to 70,000 MTPA is under progress. Civil work at site is in progress. All critical plants and machinery imported as well as indigenous has been ordered. Some of the imported machinery has started arriving at the site. The erection of plant is expected to start in October, 1992 and the project is scheduled to be commissioned in the latter half of 1993." It is not clear from the report as to when during 1991-92 the installed capacity increased to 41,000 MT.

The capacity utilisation of the company as a percentage of the installed capacity was 108 percent in 1988-89, 105 percent in 1989-90 and 116 percent in 1990-91. The capacity utilisation during 1991-92 works out to 88 percent by taking the installed capacity at 41,000 MT for the full year. On the other hand the capacity utilisation at the installed capacity of 33,000 MT works out to 109 percent.

The pattern of import during 1988-89 to 1991-92 has been as under :—

Year	Import in MT
1988-89	3,104
1989-90	4,893
1990-91	6,320
1991-92	3,183

The consumption of SBR in the country during 1988-89 and 1989-90 was placed around 39 000 MT and during 1990-91 and 1991-92 around 45,000 MT, thus increasing by around 15 percent during 1990-92 over 1988-90.

The sales realisation of M/s. Synthetic and Chemicals Ltd. increased from Rs. 32,604 MT during 1989-90 to Rs. 39,010 MT during 1990-91 and to Rs. 49,865 MT during 1991-92. During these three years, the quantity sold by the domestic industry was 36,309 MT; 37,672 MT; and 35,320 MT respectively. Styrene Butadiene Rubber accounts for a turnover of over 99 percent of M/s. Synthetic & Chemicals Ltd. The turnover on account of SBR increased from Rs. 140 crores in 1989-90 to Rs. 174 crores in 1990-91 and to Rs. 200 crores in 1991-92.

The closing stocks of SBR with M/s. Synthetic & Chemicals Ltd. at the end of the financial years 1989-90, 1990-91, and 1991-92 was equivalent to its production of 9 days, 12 days and 20 days respectively which was within reasonable limits.

The financial results of M/s. Synthetic & Chemicals Ltd. show increase in the profit before taxes from Rs. 6.75 crores in 1990-91 to Rs. 12.52 crores during 1991-92 and profit after taxes increased from Rs 5.47 crores to Rs. 10.22 crores during the same period.

Conclusion

Taking into account the information made available by the domestic industry and other interested parties, the Designated Authority has come to the conclusion that import of SBR has neither caused nor has threatened to cause material injury to the domestic industry i.e., M/s. Synthetic & Chemicals Ltd. The domestic industry has been able to increase its selling price. It is engaged in the expansion of installed capacity as the current installed capacity is below the demand, and consequently for meeting the gap between demand and availability, imports are necessary.

In view of the foregoing, the anti dumping investigation concerning import of SBR originating from the Republic of Korea and Japan has been terminated.

DR. G. SUNDARAM
Designated Authority and Additional Secy.

Printed by the Manager, Govt. of India Press, Ring Road, New Delhi-110064
and Published by the Controller of Publications, Delhi-110054, 1993